Vacant posh in Customs

969. SHRI LAKKHIRAM AGARWAL: Will the Minister of FINANCE be pleased to' state:

(a) whether it is a fact that there are number of Group 'B' Gazetted posts lying vacant in Customs;

(b) if so the details thereof, Collectorate-wise;

(c) whether the revenue collection has been adversely affected due to these vacant posts;

(d) if so, what is the extent of revenue tes on this account;

(e) whether it is a fact that the candidates selected by Union Public Service Commission in June 1993 for Group '3' Gazetted posts are still awaiting appointments; and

(f) if so, what are the lessons for delay in their appointments and by when Govern ment propose to appoint them?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI M.V. CHANDRA SHEKHAR MURTHY): (a) to (f) Bombay, Calcutta and Madras Custom-Houses have 6,8 and 33 nacancies respectively in Group 'B' Gazetted posts on Customs side. These vacancies have not effected collection of revenue. 30 candi dates became available for appointment as Appraiser in December 1993. They have been allocated to various Customs-Houses for issuance of offer of appointment which will be issued shortly.

अनुमानित बजट घाटे संबंधी आंकड़े

970. **श्री सोम पाल :**
श्री शारदा महन्तो :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) चालू वर्ष के दौरान राजस्व, राजकोषीय, वित्तीय एवं बजट घाटे संबंधी नवीनतम अनुमान क्या हैं और उनका क्या आधार है ;

(ख) क्या सरकार इन घाटों को वर्ष 1994–95 के बजट अनुमानों के समय इनको सीमित रखने के संबंध में निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार सीमित रखने के लिए प्रतिबद्ध है ;

(ग) यदि हां, तो चालू वर्ष में अब तक की आय-व्यय की स्थिति को देखते हुए इसमें कितनी सफलता मिलने की संभावना है ; और

(घ) सरकार द्वारा इन घाटों को नियत स्तर से आगे न बढ़ने देने को सुनिश्चित करने के लिए अब तक कौन-कौन से ठोस कदम उठाए गए हैं?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० वी० चन्द्रशेखर मूर्ति (क) मई, 1994 के अन्त तक घाटे की स्थिति निम्नानुसार है :–

(करोड़ रुपयों में)

	बजट अनुमान 94–95	मई, 94 तक
राजस्व घाटा	32727	6811
बजट घाटा	6000	135
राजकोषीय घाटा	54915	13693

(ख) जी, हां ।

(ग) राजकोषीय व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए 1994–95 के बजट भाषण में यह बताया गया है कि भारतीय रिजर्व बैंक को तदर्थ खजाना बिल जारी करके बजट घाटे और उसकी वित्त व्यवस्था दोनों को 6000 करोड़ रुपए तक सीमित रखा जाएगा । घाटों से संबंधित स्थिति नियंत्रण में है ।

(घ) सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि चालू वित्तीय वर्ष में व्यय बजट अनुमानों से अधिक न हो और आय के लिए निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति हो सके,